# भा. कृ. अनु. प.-केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान,

# क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच

## बारा क्षेत्र के साधनहीन अनुसूचित जाति किसानों को प्रशिक्षण तथा सामग्री वितरण

आईसीएआर-सीएसएसआरआई, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र, भरूच द्वारा अनुसूचित जाति के किसानों को वैज्ञानिक तरीके से फसल उत्पादन लेने के लिए लवण सहनशील गेंहूँ की किस्म (KRL-210) का बीज, उर्वरक (डीएपी, यूरिया और जिंक), कीटनाशक तथा जैविक तरल खाद वितरित किए। यह कार्यक्रम अनुसूचित जाति परियोजना के अंतर्गत 17 नवम्बर, 2023 को केंद्र के समनी प्रायोगिक फार्म में आयोजित किया गया। भरूच जिले के पांच तालुकाओं (जम्बूसर, आमोद, वाघरा, करजन तथा भरूच) के 28 गांवों के 50 अनुसूचित जाति के किसानों को बीज तथा अन्य सामग्री वितरित की गयी। परीक्षण के लिए किसानों को एक एकड़ क्षेत्र के लिए 40 किलोग्राम गेंहू का बीज, 50 किलोग्राम डीएपी, 90 किलोग्राम यूरिया तथा 8 किलोग्राम जिंक उपलब्ध कराया गया| इसके साथ ही चूसक कीड़ों के लिए एक कीटनाशक तथा नवसारी कृषि विश्विद्यालय द्वारा बनाया गया केले के तने से बना हुआ जैविक तरल उर्वरक "नोवेल" भी किसानों को वितरित किया गया । अनुसूचित जाति के किसानों से आधार कार्ड, अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र की फोटोकॉपी और मोबाइल नंबर और हस्ताक्षर लिए गए। केंद्र के अध्यक्ष डा. अनिल चिच्मालात्पुरे के निर्देशन में कार्यक्रम संपन्न हुआ| वैज्ञानिक डॉ. मोनिका शुक्ला तथा डेविड कैमस ने फसल के अभ्यास पैकेज, वितरित सामग्री के बारे में वैज्ञानिक जानकारी और अपने विषयों से संबंधित अन्य प्रासंगिक जानकारी किसानों को प्रदान की। किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक प्रयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। किसानों से संपर्क करते समय उनसे उनके खेत के मिट्टी के नमूने लाने का आग्रह किया गया था और लगभग 42 किसानों ने मिट्टी के नमूने परीक्षण के लिए जमा करवाए| सामग्री वितरण तथा ट्रेनिंग के दौरान संस्थान के अधिकारी चंपक तवियाड, बलवंत डामोर, दिलीप वाघेला, एफ बी मिर्जा उपस्थित रहे तथा अपना सहयोग प्रदान किया|